



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35] नई दिल्ली, राजिकार, अगस्त 30, 1997/भाद्रपद 8, 1919

No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1997/BHADRA 8, 1919

इस भाग में खिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अस्त अस्त संकलन
के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के भवालयों (रक्षा भवालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य सेवा प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विभिन्न
के अंतर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सार्विधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rule (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued
by the Ministries of the Governments of India (other than the Ministry of Defence)
and by the General Authorities (other than the Administration of Union Territories)

विधि एवं न्याय भवालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 317.—भारत के सर्विधान के अनुच्छेद 222 के
प्रभावी संवाद में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित
रूप करते हैं, अर्थात्:—

कि गोहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
न्यायमूर्ति श्री मुनियालप्पा रामकृष्ण, जिन्हें जम्मू एवं
कश्मीर उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है,
गोहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में
अपनी सेवा अवधि के बीचारे अपने बेतन के प्रतिरिक्त
2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) प्रतिमाह अर्थवा
अपने बेतन का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, की
दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[म. के.-11017/10/96-पू.एस.-II(i)]

श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 317.—In pursuance of clause (2) of Article
222 of the Constitution of India, the President hereby
makes the following order namely :—

That Shri Justice Muniyallappa Ramakrishna, Chief
Justice of the Gauhati High Court, who has been
transferred from the Jammu & Kashmir High Court,
shall be entitled to receive in addition to his salary,
a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000
(Rupees two thousand) per mensum, or 10% of
salary, whichever is more, for the period of his service
as Chief Justice of the Gauhati High Court.

[No. K-11017/10/96-US-II(i)]

Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 318.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति, एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि न्यायमूर्ति भक्तानी सिंह, जिन्हें जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जम्मू एवं कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा ग्रवधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) प्रतिमास अथवा बेतन का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता करने प्राप्त हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-पू.एस.-II(ii)]
श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 318.—In pursuance of clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely :—

That Shri Justice Bhawani Singh, who has been appointed as Chief Justice of the High Court of Jammu and Kashmir, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensum, or 10% of salary, whichever is more, for the period of his service as Chief Justice of the High Court of Jammu and Kashmir.

[No. K. 11017/10/96-US-II(ii)]
Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice).

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 319.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री मन मोहन मिह लिब्रहान, जिन्हें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा ग्रवधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) प्रतिमास अथवा अपने बेतन का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-पू.एस.-II(iii)]
श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 319.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely :—

That Shri Justice Man Mohan Singh Liberhan, Cheif Justice of the Madras High Court, who has been trans-

ferred from the Punjab and Haryana High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensum, or 10% of salary, whichever is more, for the period of his service as Chief Justice of the Madras High Court.

[No. K. 11017/10/96-US-II(iii)]
Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 320.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अजय प्रकाश मिश्र, जिन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, विल्सी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा ग्रवधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) अथवा बेतन का 10 प्रतिशत जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-पू.एस.-II(ii)]
श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 320.—In pursuance of clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely :—

That Shri Justice Ajay Prakash Misra, Chief Justice of the Delhi High Court, who has been transferred from the Allahabad High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensum, or 10% of salary, whichever is more, for the peiod of his service as Chief Justice of the Delhi High Court.

[No. K. 11017/10/96-US-II(iv)]
Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 321.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि मद्रास उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीरमण लाल राजमल जैन, जिन्हें गुजरात उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, मद्रास उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा ग्रवधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 2000/-

(केवल दो हजार रु.) प्रतिमाह अथवा वेतन का 10 प्रतिशत जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूर्ण भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-यू.एस.-II(V)]

श्रीमती वीना ब्रह्मा, निवेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 321.—In pursuance of clause of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely :—

That Shri Justice Ramanlal Rajmal Jain, Additional Judge of the Madras High Court, who has been transferred from the Gujarat High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensam, or 10½ of salary, whichever is more for the period of his service as an Additional Judge of the Madras High Court.

[No. K. 11017/10/96-US-II(v)]

Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

वित्त मंत्रालय
(कंपनी कार्य मंत्रालय)

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1997

सा का नि 322.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का/की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तु द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि अशासन विभाग की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निवेश वेती है कि मेसर्सें सिमोको इन्टरनेशनल लि. 704 7वां तल टाल-स्टाय हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली 110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती है, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित प्रतिस्तिथि उपचादों और उपान्तरों के अधीन सहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 26 सितम्बर 1996 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर 96 को समाप्त होने वाली अवधि की वास्तव अपने भारतीय कारबाहर लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा —

(1) एसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे —

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आंशिक की तामील स्वीकार करने के लिए प्राप्तिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में अवसायरत किसी चाटड़े एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 26 सितम्बर, 1996 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की वात भी और उचित है,

(2) भारत में कंपनी की प्राप्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे —

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आंशिक की तामील स्वीकार करने के लिए प्राप्तिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में अवसायरत किसी चाटड़े एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कम्पनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सदृश और उचित है, और

(2) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आंशिक की तामील स्वीकार करने के लिए प्राप्तिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्बन्धित इस आशय का एक प्रवागपत्र कि कंपनी ने 26 सितम्बर, 1996 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के द्वारा भारत में कोई व्यापारिक, वागिमज्यक या आंदोलिक कियाकलाप नहीं किया है।

[संख्या 50 16 97-सी. एन-पर्श]

आर. एन. वासवानी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 29th July, 1991

G.S.R. 322.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. SRO 3216, dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Simoco International Ltd. 704, 7th Floor, Tolstoy House, Tolstoy Marg, New Delhi-110001 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause

(a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 if, in respect of the period commencing from the 26th day of September, 1996 and ending on the 31st day of December, 1996, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) a statement of receipts and payments made by the India Branch of such Company, certified by :—
- (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act and
- (b) a Chartered Accountant practising in India ; certifying that the said statement gives a true fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 26th day of September, 1996 and ending on the 31st day of December, 1996.
- (ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by :—
- (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act ; and
- (b) a Chartered Accountant practising in India ; certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 26th day of September 1996 and ending on the 31st day of December, 1996;
- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 26th day of September, 1996 and ending on the 31st day of December, 1996.

[No. 50/16/97-CL-III]

R. N. VASWANI, Under Secy.

नई दिल्ली 29 जुलाई, 1997

सांकेतिक सरकार कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के बिन मन्त्रालय (कंपनी विधि प्रमाणन विभाग) की अधिसूचना सं० कार्डिन० आ० 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपात्तर करते हुए वह निम्न

देती है कि मैसर्स प्लासी प्र० क० टिज फैट 207-208 शाहपुरी टावर सी-58 कर्नाटकी बेटर जनकपुरी, नई दिल्ली 110058 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अवधारणा जैसा कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती है, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपात्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपात्तरों के अधीन सहने हुए जागू होती है, अर्थात् :—

गद्द कंपनी 1 जुलाई, 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि को बाबत अपने भारतीय कागदार नेत्राओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजस्ट्रार द्वारा निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें, तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपर्योग का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा—

(1) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियां और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आंदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(घ) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 1 जुलाई 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियां और संदायों की वावत मही और उचित हैं,

(2) भारत में कंपनी की आस्तियां और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आंदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(घ) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 जुलाई, 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यवालाप की स्थिति की वावत सही और उचित है, और

(3) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आंदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्त हस्तातिरित इस आग्रह का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 1 जुलाई, 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को

समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई व्यापारिक वाणिज्यिक कार्बोरिंग क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं० 50/8/97-सी०एल०-३]

आर० एन० वासवानी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th July, 1997

G.S.R. 323.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Plansee Aktiengesellschaft 207-208, Shahpuri Tower, C-58, Community Centre, Jarakpur, New Delhi-58. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st day of July, 1995 and ending on the 29th day of February, 1996, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) a statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such company, certified by,—
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India ; certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st day of July, 1995 and ending on the 29th day of February 1996.
- (ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by—
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of

the company in India as at the end of the period commencing from the 1st day of July, 1995 and ending on the 29th day of February, 1996.

- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st day of July, 1996 and ending on the 29th day of February, 1996.

[No. 50/8/91-CL-III]

R. N. VASWANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1997

सांकेतिक 324.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निश्चय देती है कि मैसर्स एंग्रिया नेट वर्क पब्लिकेशन कंपनी लि० 132-सेकेन्ड फ्लोर, गाल्फ लिम्स, नई दिल्ली-110003 (जिसे इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती है, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अलिंगित अपवादों और उपान्तरों के अधीन सहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 15 नवम्बर, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि की बावजूद अपने भारतीय कारबाह लेखाओं के संबंध में भारत समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा :—

(i) ऐसी कंपनी की भारतीय याच्छा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जैसे—

(क) अधिनियम की 592 की उपधारा (1) के खंड (व) के अधीन भारत में आदेशका की तर्फ़ील स्वीकार करते के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 15 नवम्बर, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त

होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी को प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(ii) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे :—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 15 नवम्बर 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी का कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्त हस्तांतरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 15 नवम्बर, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई व्यापारिक, वाणिज्यिक या ग्रोवर्गिक कार्यकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/20/97-सी एस -3]
आर. एन. वासवानी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th July, 1997

G.S.R. 324.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration). No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Asia Network Publication Company Ltd., 132, 2nd floor, Golf Links, New Delhi-110 003 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996, the company in respect of its Indian Business

Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) a statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such company, certified by,—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act and

(b) a Chartered Accountant practising in India ;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31 March, 1996.

(ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 21st day of March, 1996;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996.

[No. 50/20/97-CL-III]
R. N. VASWANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1997

स. का. नि. 325.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निर्देश देती है कि मैसर्स फूजित्सु लिमिटेड, मॉन्टाइल टॉवर प्रथम तल, 15 कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में,

जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसे कि वे किसी विदेशी कंपनी को सागू होती है, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन सहते हुए लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कंपनी 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत इसने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा—

(1) ऐसी कंपनी को भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड

(घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रभाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है।

(2) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा, यह प्रभाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलापों की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(2) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्त हस्तांतरित इस आशय का एक प्रभाणपत्र कि कंपनी ने 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई ध्यान-रक्षक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/41/96-मी एल -3]
श्राव. एन. वासवानी, शब्दर सचिव

New Delhi, the 29th July, 1997

G.S.R. 325.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216, dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Fujitsu Limited Mercantile House, 1st Floor, 15, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

(i) a statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such company, certified by,—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India :

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996.

(ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act ; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996;

- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India

during the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March 1996.

[No. 50/41/96-CL-III]
R. N. VASWANI, Under Secy.